## खबरों में रहे स्टॉक



### अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस




इंटेलीस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने के लिए एसपीएसए किया

₹ 1,569.9 पिछला बंद भाव
₹ 1,578.1 आज का बंद भाव
0.5 % ▲

### जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर




एसएमपीए से कोलकाता डॉक सिस्टम टर्मिनल परियोजना हासिल की

₹ 268.4 पिछला बंद भाव
₹ 282.7 आज का बंद भाव
5.3 % ▲

### गोदरेज प्रॉपर्टीज




बेंगलूरु में गोदरेज वनंतरा की शुरुआत पर 2,000 करोड़ रुपये के मकान बेचे

₹ 1,650.6 पिछला बंद भाव
₹ 1,684.1 आज का बंद भाव
2.0 % ▲

### वीए टेक वाबाग




यूएई में अजमान सीवेज बायो रिफाइनरी के लिए डिजाइन व निर्माण अनुबंध हासिल किया

₹ 1,545.2 पिछला बंद भाव
₹ 1,588.7 आज का बंद भाव
2.8 % ▲

### जेएसडब्ल्यू स्टील




मई में समेकित कच्चा इस्पात उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 15 प्रतिशत बढ़ा

₹ 1,260.7 पिछला बंद भाव
₹ 1,261.7 आज का बंद भाव
0.1 % ▲

## संक्षेप में

### जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन बढ़ा

इस्पात कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील का मई में कच्चे इस्पात का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 22.93 लाख टन हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 19.96 लाख टन था। सज्जन जिंदल की अगुआई वाली कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उत्पादन में यह बढ़ोतरी डोलवी संयंत्र के पूर्ण संचालन और जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटेलिक्स लिमिटेड (जेवीएमएल) के पूरी तरह चालू होने के कारण हुई है। जेएसडब्ल्यू स्टील के पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेवीएमएल का संचालन अब पूरी क्षमता के साथ हो रहा है। वहीं, विजयनगर स्थित ब्लास्ट फर्नेस-3 क्षमता उन्नयन के लिए बंद है और इसके जून के दूसरे पखवाड़े में फिर से शुरू होने की संभावना है। कंपनी ने कहा कि भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग ब्लास्ट फर्नेस-3 को छोड़कर 98 प्रतिशत और उसे शामिल करने पर 87 प्रतिशत रहा। *भाषा*

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए ''केंद्रित'' "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

**लिमिटेड टेंडर NB&ET/Fintech/RFP/2026-27/01 के लिए आमंत्रण**

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, OPEX मॉडल के तहत 'भारत कनेक्ट- बिलर ऑपरेटिंग यूनिट (BOU)' सेवाएं देने के लिए वेंडर चुनने के लिए लिमिटेड टेंडर NB&ET/Fintech/RFP/2026-27/01 के तहत प्रस्ताव आमंत्रित करता है. (यह केवल सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के फिनटेक पोर्टल के माध्यम से सूचीबद्ध सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए है). अधिक जानकारी के लिए बैंक की वेबसाइट www.centralbank.bank.in/ पर जाएं. बिड जमा करने की आखिरी तारीख: 23.06.2026, दोपहर 3.00 बजे तक.

**द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड**
पंजीकृत कार्यालय : रादौर रोड, यमुनानगर – 135001
सीआईएन : L24101HR1954PLC001837, दूरभाष : +91–1732–255479
ई–मेल : companysecretary@yamunasyndicate.com
वेबसाइट : www.yamunasyndicate.com

एतद्द्वारा निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखांकन, अंकेक्षण, अंतरण तथा धनवापसी) नियमावली, 2016 के नियम 6, जिसे इसके बाद ''आईईपीएफ नियमावली'' कहा गया है, के अंतर्गत सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित शेयरधारकों के शेयर, जिन्होंने पिछले लगातार सात वर्षों से अपने लाभांश (डिविडेंड) चेक को भुनाया नहीं है, उन्हें उस स्थिति में निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण के डीमैट खाते में अंतरित कर दिया जाएगा, यदि वे अपने लंबित लाभांश राशियों के लिए 9 सितंबर, 2026 को या उससे पहले वैध दावा प्रस्तुत नहीं करते हैं :–

| क्र. सं. | फोलियो नं. | नाम तथा अंतिम ज्ञात पता | शेयरों की सं. |
|---|---|---|---|
| 1. | 30305 | श्री राम कृष्ण अग्रवाल, द्वारा श्री दलीप बत्रा, 79–बी, नई मंडी, वकील रोड, मुजफ्फरनगर – 251 001 | 20 |

ऐसे शेयरधारक, दावा प्रस्तुत करने के लिए कंपनी को या रजिस्ट्रार तथा शेयर ट्रांसफर एजेंट मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, अलंकित हाउस, 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055 को ई–मेल : rta@alankit.com पर लिख सकते हैं।

यह सूचनाप्रद जानकारी कंपनी की वेबसाइट www.yamunasyndicate.com पर भी उपलब्ध है तथा दावा प्रस्तुत करने के लिए पृथक अंतिम अंतिम सूचना उपर्युक्त शेयरधारक को व्यक्तिगत रूप से उसके उपर्युक्त अंतिम ज्ञात पते पर भी भेजी जा चुकी है।

कृते द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड
हस्ता./– (आशीष कुमार)
कंपनी सचिव (सदस्यता सं. एफ7846)
स्थान : यमुनानगर (हरियाणा)
तिथि : 10 जून, 2026

**फॉर्म ए**
**सार्वजनिक सूचना**
(इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया के रेगुलेशन 6 के तहत
(कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रक्रिया) रेगुलेशन, 2016)
**सिर्फ मे. रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के 'रहेजा रेवांटा' प्रोजेक्ट के लेनदारों के ध्यानार्थ**

| संबंधित विवरण | | |
|---|---|---|
| 1 | कॉरपोरेट ऋणी का नाम | रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड, (कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया केवल 'रहेजा रेवांता', गुड़गांव प्रोजेक्ट तक सीमित) |
| 2 | कॉरपोरेट ऋणी के निगमन की तिथि | 27/11/1990 |
| 3 | वह प्राधिकरण जिसके तहत कॉरपोरेट ऋणी निगमित / पंजीकृत है | Registrar of Companies (ROC), Delhi - 1. |
| 4 | कॉरपोरेट ऋणी की कॉरपोरेट पहचान संख्या / सीमित दायित्व पहचान संख्या | CIN - U45400DL1990PLC042200 |
| 5 | कॉरपोरेट ऋणी के पंजीकृत कार्यालय और मुख्य कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | पंजीकृत कार्यालय: डब्लू 4 डी, 204/5, केशव कुंज कारियप्पा मार्ग, वेस्टर्न एवेन्यू, सैनिक फार्म्स, साउथ दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110062. प्रोजेक्ट साइट: गांव शिलोखपुर जिला, सेक्टर 78, गुड़गांव, हरियाणा। |
| 6 | कॉरपोरेट ऋणी के संबंध में दिवाला शुरू होने की तिथि | June 08, 2026 NCLT, Delhi Bench in CP(IB)182 / ND / 2024 |
| 7 | दिवाला समाधान प्रक्रिया के बंद होने की अनुमानित तिथि | दिसंबर 05, 2026 (प्रक्रिया शुरू होने की तिथि से 180 दिन)। |
| 8 | अंतरिम समाधान पेशेवर के रूप में कार्य कर रहे दिवाला पेशेवर का नाम और पंजीकरण संख्या | टू आईपीई एलएलपी अधिकृत प्रतिनिधि श्री अय्यागारी विश्वनाथ सरमा के माध्यम से IBBI Regn. No.: IBUBUI/IPUE-0151/IPUA-1/2023-24/50052 |
| 9 | BUOARUD के पास पंजीकृत अंतरिम समाधान पेशेवर का पता और ई–मेल | पता: डी–501, गणेश मेरिडियन, हाई कोर्ट के सामने, एस.जी. रोड, अहमदाबाद - 380060 ईमेल: jain_cp@yahoo.com |
| 10 | अंतरिम समाधान पेशेवर के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता और ई–मेल | पता: टू आईपीई एलएलपी - 61, नेशनल पार्क बेसमेंट, लाजपत नगर 4, नई दिल्ली–110024 ईमेल: cirp.rahejarevanta@gmail.com |
| 11 | दावे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 22 जून, 2026 (यानी, आदेश की तिथि से 14 दिन) |
| 12 | सेक्शन 21 के सब–सेक्शन (6A) के क्लॉज. (b) के तहत, अगर कोई लेनदारों की श्रेणियां हैं, तो उनकी पहचान अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा की जाएगी। | रियल एस्टेट प्रोजेक्ट "रहेजा रेवांता" के आवंटी |
| 13 | एक श्रेणी में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए पहचाने गए दिवाला पेशेवरों के नाम (प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन नाम) | आवंटियों के लिए: 1) अजय कुमार सिवाच रजि. संख्या: IBUBUI/IPUA-002/IPUN00668/2018-201912214/ 2) राहुल माहेश्वरी रजि. संख्या: IBUBUI/IPUA-002/IPU-N01046/2021-202213625/ 3) सतीश कुमार चुघ पंजीकरण संख्या: IBUBUI/IPUA-003/IPU-N00270/2020-202113196/ |
| 14 | (ए) प्रासंगिक फॉर्म और (बी) अधिकृत प्रतिनिधियों के विवरण यहाँ उपलब्ध हैं: | a) वेबलिंक: https://ibbi.gov.in/home/downloads b) https://ibbi.gov.in/insolvency-professional |

इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), नई दिल्ली पीठ ने **08 जून, 2026 को मेसर्स रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के रहेजा रेवांता प्रोजेक्ट** की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

**मेसर्स रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के रहेजा रेवांता प्रोजेक्ट** के लेनदारों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वे 22 जून, 2026 को या उससे पहले प्रविष्टि संख्या 10 के सामने उल्लिखित पते पर अंतरिम समाधान पेशेवर के पास प्रमाण के साथ अपने दावे प्रस्तुत करें।

वित्तीय लेनदार अपने दावे प्रमाण के साथ केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (ईमेल) से ही प्रस्तुत करेंगे।
अन्य सभी लेनदार अपने दावे प्रमाण के साथ व्यक्तिगत रूप से, डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रविष्टि संख्या १२ के तहत आने वाली श्रेणी के वित्तीय लेनदार, प्रविष्टि संख्या १३ के तहत सूचीबद्ध तीन दिवाला पेशेवरों में से अपनी पसंद के अधिकृत प्रतिनिधि का नाम फॉर्म सीए में इंगित करेंगे, जो "रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट - रहेजा रेवांता के आवंटी" श्रेणी के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकें।

**दावे के झूठे या भ्रामक प्रमाण प्रस्तुत करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।**

टू आईपीई एलएलपी
अधिकृत प्रतिनिधि श्री अय्यागारी विश्वनाथ सरमा के माध्यम से
अंतरिम समाधान पेशेवर: मेसर्स रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड (प्रोजेक्ट - 'रहेजा रेवांता')
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 10.06.2026
Regn. No. IBBI/IPE-0151/IPA-1/2023-24/50052
AFA Valid till 31.12.2026

## वाहन निर्माताओं का नीति आयोग को जवाब

# 'पुराने वाहन कहां हैं, पता नहीं'

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 9 जून

वाहन बनाने वाली कंपनियों ने मंगलवार को नीति आयोग को बताया कि उन्हें अक्सर यह पता नहीं होता कि 20-25 साल पुरानी ज्यादातर गाड़ियां कहां हैं, क्योंकि उनके जीवनकाल के दौरान कई बार उनके मालिक बदलते रहते हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड को पता चला है कि उन्होंने ऐसी गाड़ियों का पता लगाने के लिए सरकार से मदद मांगी है, जिसमें अपडेटेड 'वाहन' रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड तक पहुंच भी शामिल है।

नीति आयोग द्वारा आयोजित एक बैठक के दौरान, वाहन उद्योग के अधिकारियों ने बताया कि पुराने वाहनों का पता लगाने में असमर्थता केंद्र की स्क्रैप नीति के तहत दायित्वों को पूरा करना मुश्किल बना सकती है। यह स्क्रैप नीति पिछले साल जारी की गई थी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान कुछ कार निर्माता कंपनियों के अधिकारियों ने आरोप लगाया कि ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) ईएलवी (एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल्स) की सही पहचान नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैफिक चालान बकाया होने और दूसरी देनदारियों की वजह से गाड़ी मालिक अपनी पुरानी गाड़ियों को अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर ले जाने से कतराते हैं।



उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि पुराने वाहनों का पता लगाने में असमर्थता केंद्र की स्क्रैप नीति के तहत दायित्वों को पूरा करना मुश्किल बना सकती है

1 अप्रैल, 2025 से लागू हुए एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन (एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल्स) रूल्स, 2025 के तहत वाहन बनाने वाली कंपनियों को अपनी अवधि पूरी कर चुकी गाड़ियों (एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल्स) को स्क्रैप करने के लिए सालाना एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) लक्ष्य दिए गए हैं। 2025-26 के लिए, निर्माताओं को ईपीआर सर्टिफिकेट लेने होंगे। ये सर्टिफिकेट 2005-06 में बेचे गए प्राइवेट वाहनों और 2010-11 में बेचे गए कमर्शियल वाहनों में इस्तेमाल हुए स्टील के कम से कम 8 प्रतिशत के बराबर होने चाहिए। यह लक्ष्य 2030-31 से बढ़कर 13 प्रतिशत और 2035-36 से 18 प्रतिशत हो जाएगा।

एक प्रमुख यात्री वाहन निर्माता कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि निर्माताओं को 20-25 साल पुराने कई वाहनों के बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वे कहां हैं।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में एक अधिकारी ने कहा, 'ओईएम को इन गाड़ियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। 25 साल के दौरान इनका स्वामित्व तीन, चार, पांच या उससे भी ज्यादा बार बदल जाता है। साथ ही ये पुरानी गाड़ियां कभी ओईएम के वर्कशॉप में नहीं आतीं। इसलिए हमें कोई अंदाजा नहीं है कि ये गाड़ियां कहां हैं।' रीसाइक्लिंग उद्योग के अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर को उन जीएसटी इनवॉइस से जोड़ा जाए जो स्टील, एल्युमीनियम और कॉपर जैसे रिकवर किए गए मैटेरियल को बेचने पर बनते हैं। इससे स्क्रैप से लेकर मैटेरियल रिकवरी तक का एक डिजिटल रिकॉर्ड बन सकेगा।

गाड़ियों को स्क्रैप करने वाले मार्केटप्लेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कागजात और मालिकाना हक से जुड़ी दिक्कतों की वजह से बड़ी संख्या में गाड़ियां अनौपचारिक स्क्रैपिंग चैनलों की ओर जा रही हैं। उन्होंने बताया, 'किसी के पास कार तो है, लेकिन उसके कानूनी मालिक ने उसे कई साल पहले ही बेच दिया था और कार का स्वामित्व ट्रांसफर कराने के लिए आरटीओ नहीं गए थे।' उन्होंने कहा कि ऐसे मामले बहुत आम हैं।

# टीसीएस में कर्मचारियों जितने होंगे एआई एजेंट

बीएस संवाददाता
मुंबई, 9 जून

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का मानना है कि अगले तीन साल में कंपनी में जितने कर्मचारी होंगे, उतने ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) एजेंट भी होंगे। 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी अब उतनी भर्तियां नहीं करेगी जितनी पिछले वर्षों में करती रही है।



> **अगर कंपनी में 5 लाख कर्मचारी हैं, तो वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे।**
>
> **एन चंद्रशेखरन,** चेयरमैन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज

उन्होंने कहा, 'अगर कंपनी में पांच लाख कर्मचारी हैं, तो वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे।' उन्होंने कहा, 'सवाल यह होगा कि एजेंट क्या-क्या कर सकते हैं और वे काम एजेंटों द्वारा ही किए जाएंगे। कंपनी के कर्मचारी और एआई एजेंट मिलकर काम करेंगे और यही भविष्य होगा।'

उन्होंने संकेत दिया कि एआई-आधारित ऑटोमेशन के कारण पिछले वर्षों की तुलना में नई भर्तियां कम होंगी, हालांकि एआई अर्थव्यवस्था में नए मौके बन रहे हैं। चंद्रशेखरन ने पहली बार माना कि कंपनी पिछले वर्षों की तुलना में कम लोगों को नौकरी पर रखेगी। उन्होंने कहा, 'कंपनी और उद्योग में शायद उतने लोगों की भर्ती न हो, क्योंकि काम का कुछ खास हिस्सा अब एआई एजेंट करेंगे।'

**पिछले वर्षों की तुलना में कर्मचारियों की कम भर्तियां करेगी कंपनी**

यह बात उद्योग और कंपनी की नियुक्तियों के तरीकों से पहले ही स्पष्ट हो चुकी है। हालांकि उद्योग में भर्तियां हो रही हैं, लेकिन कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे इस क्षेत्र में 'सीधा रुझान नहीं नजर आता है। इस वित्त वर्ष में उद्योग में कुल 1,35,000 नई भर्तियां होंगी, जो वित्त वर्ष 2026 से 2.3 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी है।

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2027 के लिए फ्रेशर्स की भर्ती का लक्ष्य 25,000 रखा है। हालांकि कंपनी आने वाली तिमाहियों में इस संख्या को बढ़ा सकती है, लेकिन वित्त वर्ष 2020 के बाद से फ्रेशरों को दिए गए ऑफर के मामले में यह सबसे कम आंकड़ों में से एक है। लेकिन चंद्रशेखर ने कहा कि भर्ती पर इसका असर सिर्फ बदलाव के दौर तक ही रहेगा।

कंपनी की सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि एआई, टीसीएस के इतिहास में वृद्धि का सबसे बड़ा मौका है और कंपनी इस मौके का फायदा उठाने के लिए एआई प्रतिभा, प्रोप्राइटरी परिसंपत्तियों, एआई ऑपरेटिंग सिस्टम और इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर रही है।

# ईवी की खुदरा बिक्री में 45 प्रतिशत उछाल

सोहिनी दास
नई दिल्ली, 9 जून

मई महीने के दौरान देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़कर 2,71,682 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस उछाल से वाहनों की सभी श्रेणियों में ईवी की पैठ पहली बार 11 प्रतिशत से ऊपर चली गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

इस बढ़ोतरी में इलेक्ट्रिक यात्री वाहन और दोपहिया आगे रहे। ईंधन की बढ़ती कीमत और वाहन मॉडलों की विस्तृत श्रृंखला की उपलब्धता ने और खरीदारों को इलेक्ट्रिक परिवहन की दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मई में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 81 प्रतिशत उछलकर 26,682 हो गई और इस श्रेणी में ईवी पैठ एक साल पहले की 4.5 की तुलना में बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गई।

जहां टाटा मोटर्स मई में ईवी यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 38.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार में अग्रणी बनी रही, वहीं महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने अपनी हिस्सेदारी को 23.3 प्रतिशत तक बढ़ाकर फासला कम करना जारी रखा। इन दोनों घरेलू कंपनियों के पास देश के ईवी कार बाजार की 62 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल है। दूसरी ओर एमजी की हिस्सेदारी सकारात्मक वृद्धि के बावजूद नरम पड़कर 18.7 प्रतिशत रह गई। मारुति सुजूकी का हालिया प्रवेश प्रतिस्पर्धा के परिदृश्य को बदलने लगा है। कंपनी ने अपने पहले ही अहम महीने में लगभग 6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली।

मई में टाटा मोटर्स 10,340 वाहनों के साथ ईवी यात्री वाहन बिक्री में सबसे आगे रही। इसके बाद महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (6,210 वाहन बिक्री) और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया (4,984 वाहन बिक्री) का स्थान रहा। हाल में प्रवेश करने वाली मारुति ने 1,591 वाहन बेचे, जबकि विनफस्ट ने 1,238 वाहनों की बिक्री की। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 63 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 1,70,733 हो गई। इसकी पैठ एक साल पहले की 6.1 प्रतिशत से बढ़कर 9.3 प्रतिशत हो गई। टीवीएस मोटर 42,459 खुदरा बिक्री के साथ इस श्रेणी में अग्रणी रही।

# मिनी को छोटे शहरों में ले जाएगी बीएमडब्ल्यू

अंजलि सिंह
मुंबई, 9 जून



**बिक्री दोगुनी करने का है इरादा**

- **मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, जो पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत ज्यादा रहे**
- **मिनी कंट्रीमैन के पेट्रोल डीजल इंजन वाले मॉडल पर दांव लगा रही है कंपनी**

मजबूत मांग पर सवार लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया अपने मिनी ब्रांड पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कंपनी का इरादा स्थानीयकरण और मझोले बाजारों में विस्तार के जरिये 2026 के आखिर तक अपनी बिक्री को दोगुना करने का है।

मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, जो पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी मिनी कंट्रीमैन के पेट्रोल-डीजल इंजन (आईसीई) वाले वर्सन पर दांव लगा रही है, जिसे बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई संयंत्र में बनाया जाएगा। यह मॉडल कंपनी के भारत में मौजूद पोर्टफोलियो में स्थानीय स्तर पर बनने वाली 11वीं गाड़ी होगी।

पिछले दो साल में भारत में मिनी की नई पेशकशों में मिनी कूपर एस हैच और मिनी कंट्रीमैन इलेक्ट्रिक शामिल हैं। लेकिन हाल में ब्रांड ने मिनी कन्वर्टिबल, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू ऑल4 और मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है।

बीएमडब्ल्यू इस साल 10 मिनी मॉडल उतारने की योजना बना रही है। इनमें स्थानीय स्तर पर बनी नई पीढ़ी की मिनी कंट्रीमैन सी और ब्रांड की लाइफस्टाइल और मोटरस्पोर्ट विरासत से प्रेरित नौ खास लिमिटेड-एडिशन मॉडल शामिल हैं। इनमें से तीन एडिशन - मिनी कूपर एस जीपी इंसपायर्ड, मिनी कन्वर्टिबल जॉन कूपर वर्क्स पैक और मिनी कपूर एस विक्टरी एडिशन पहले ही पेश हो चुके हैं और बिक भी चुके हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, 'साल के बीच में स्थानीय स्तर पर बनी मिनी कंट्रीमैन की पेशकश के साथ हम बिक्री संख्या बढ़ने को लेकर बड़ी उम्मीदें लगाए हुए हैं।'

## दोबारा बॉन्ड बाजार में उतरने की तैयारी में टाटा समूह की इकाइयां

रॉयटर्स
मुंबई, 9 जून

टाटा समूह की बुनियादी ढांचा क्षेत्र की दो इकाइयां आने वाले दिनों में फिर से कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में उतरने वाली हैं। 15 महीने से भी ज्यादा समय बाद उनकी वापसी होगी। मंगलवार को दो मर्चेंट बैंकरों ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पिछले हफ्ते प्रमुख नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद कॉरपोरेट बॉन्ड यील्ड में नरमी आई है। इससे बाजार को कुछ राहत मिली है।

टाटा स्टील पांच साल के बॉन्डों की बिक्री के जरिये 30 अरब रुपये (31.323 करोड़ डॉलर) जुटाने की तैयारी में है। रियल एस्टेट कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स तीन वर्षीय और पांच वर्षीय बॉन्डों के रूप में 5 अरब रुपये से 10 अरब रुपये तक जुटा सकती है।

एक बैंकर ने कहा, 'इन दोनों कंपनियों ने मर्चेंट बैंकरों को सूचित कर दिया है और बाजार में उतरने से पहले दरों में और कमी का इंतजार कर रही हैं।' मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत न होने की वजह से इन बैंकरों ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी। टाटा प्रोजेक्ट्स ने टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया, जबकि टाटा स्टील ने कहा, 'हमारी बॉन्ड जारी करने की कोई तत्काल योजना नहीं है।'

# स्पाइसजेट : पायलटों के वेतन में हो रही देर

रॉयटर्स
नई दिल्ली, 9 जून

**सरकार समर्थित क्रेडिट योजना के तहत आपात-कालीन ऋण चाह रही विमानन कंपनी**

विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने मार्च से अपने कई पायलटों को वेतन भुगतान में देर की है। रॉयटर्स द्वारा देखे गए आंतरिक संदेशों से यह पता चला है। नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी ने कहा कि वह परिचालन स्थिर करने के लिए सरकार समर्थित क्रेडिट योजना के तहत आपातकालीन ऋण लेने की कोशिश कर रही है।

साल 2019 में स्पाइसजेट बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से देश की दूसरी सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी थी। उसके लगभग 15 प्रतिशत यात्री थे। लेकिन तब से यह आंकड़ा गिरकर 3.4 प्रतिशत और वह चौथे स्थान पर आ गई। इसकी लंबे समय से चली आ रही वित्तीय परेशानियां पश्चिम एशिया युद्ध के कारण और बढ़ गई हैं। इस लड़ाई से ईंधन की कीमतों में इजाफा हुआ है और हवाई क्षेत्र तक पहुंच सीमित हो गई है। इस दबाव ने बड़ी प्रतिस्पर्धी विमानन कंपनी इंडिगो और एयर इंडिया को भी प्रभावित किया है।

दो पायलटों तथा 180 से ज्यादा सदस्यों वाले एक व्हाटसऐप ग्रुप की चैट को रॉयटर्स ने देखा है। इसके अनुसार मार्च तक स्पाइसजेट के पास 375 पायलट थे और कई महीनों से उनके वेतन का भुगतान रुका हुआ है। इस व्हाटसऐप ग्रुप में बोइंग विमान उड़ाने वाले पायलट और विमानन कंपनी का कम से कम एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल है। एक संदेश में स्पाइसजेट के उड़ान परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र मल्होत्रा ने 26 मई को लिखा कि उन्हें पता है 'कि वेतन मिलने में देरी की वजह से आप सभी मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं' और कहा कि फरवरी का बाकी वेतन जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। संदेश में कहा गया, 'इसमें शक नहीं कि यह परीक्षा की घड़ी है, लेकिन यह कुछ समय के लिए ही है।' इसके जवाब में एक पायलट ने कहा कि यह संदेश 'भरोसा दिलाने वाला' है, लेकिन पूछा कि क्या मार्च, अप्रैल और मई का वेतन जारी करने के लिए कोई समय-सीमा है।

टिप्पणी के लिए पूछे जाने पर मल्होत्रा ने व्हाट्सऐप संदेश में रॉयटर्स को बताया, 'मैं साफ तौर पर ऐसे किसी संदेश से इनकार करता हूं।' रॉयटर्स को दिए बयान में स्पाइसजेट ने माना कि भुगतान में देर हुई है। विमानन कंपनी ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों से अपनाई जा रही प्रक्रिया के अनुसार कर्मचारियों को क्रमबद्ध तरीके से भुगतान किया जा रहा है और ज्यादातर कर्मचारियों को मार्च का भुगतान पहले ही किया जा चुका है।'

## डायबिटीज दवा के परीक्षण में एलाई लिली का दावा

# ओरफोरग्लिप्रोन का प्रदर्शन सेमाग्लूटाइड से बेहतर

**दूसरी तिमाही के आखिर तक टाइप 2 डायबिटीज उपचार को मंजूरी के लिए यूएसएफडीए को प्रस्ताव सौंपने की योजना**

अमेरिकी दवा विनिर्माता कंपनी एलाई लिली ने ओरफोरग्लिप्रोन के आकलन वाले अपने अचीव कार्यक्रम के तहत क्लीनिकल परीक्षण के तीसरे चरण के निष्कर्ष जारी किए। यह छोटे-मॉलिक्यूल वाली ओरल ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 (जीएलपी-1) दवा है। कंपनी ने दावा किया कि इसके नतीजे सुरक्षा और असर के मामले में अच्छे रहे हैं। इसमें ओरल सेमाग्लूटाइड की तुलना में ए1सी और शरीर के वजन में काफी कमी देखी गई।

कंपनी ने तीसरे चरण के अचीव-3, अचीव-2 और अचीव -5 परीक्षणों के विस्तृत नतीजे जारी किए। अचीव -3 में उन वयस्कों की तुलना की गई जो ओरफोरग्लिप्रोन और ओरल सेमाग्लूटाइड उपचार शुरू कर रहे थे, जबकि अचीव-2 और अचीव-5 में लिली की दवा की तुलना डेपाग्लिफ्लोजिन से की गई। लिली ने कहा कि उसकी दवा की गोली दिन में एक बार बिना भोजन या पानी से ली जा सकती है।

टेक्सस साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय में चिकित्सा के नैदानिक प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता डॉ. जूलियो रोसेनस्टॉक ने कहा, एचीव-3 टाइप 2 मधुमेह में ओरल जीएलपी-1 पर पहला तुलनात्मक आंकड़ा मुहैया कराता है, जिसमें ऑर्फोर्ग्लिप्रोन ने ओरल सेमाग्लूटाइड की तुलना में अधिक ए1सी और वजन में कमी दिखाई है, जिसका परीक्षण मधुमेह की स्वीकृत खुराक पर किया गया था।

कंपनी ने दावा किया कि 52 हफ्तों के बाद ओरफ़ोर्ग्लिप्रोन लेने वाले मरीज़ों में ए1सी के स्तर में औसत कमी 9 एमजी डोज के साथ 1.9 फीसदी और 17.2 एमजी डोज के साथ 2.2 फीसदी देखी गई जबकि ओरल सेमाग्लूटाइड के मामले में यह कमी क्रमशः 1.1 फीसदी और 1.4 फीसदी थी। *बीएस*

चंडीगढ़ संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा सी/ओ आइडिया को वर्किंग, तृतीय तल, एस.सी.ओ 32, 33, 34 सेक्टर–17–सी, चंडीगढ़–160017 से प्रकाशित एवं तन्मय महेश्वरी, इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं.–22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–2, पंचकूला–134115, हरियाणा से मुद्रित
संपादक : कैलाश नौटियाल, पीआरजीआई रजिस्ट्रेशन नं. CHAHIN/2008/24509 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
स्वामित्व : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, नेहरू हाउस, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें - सुश्री मानसी सिंह, हेड–कस्टमर रिलेशन्स। बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पीबी मार्ग, वर्ली, मुंबई–400013 ईमेल : subs_bs@bsmail.in या 57575 पर REACHBS एसएमएस करें। कोई हवाई अधिभार नहीं